MHI 101

PREVIOUS YEAR REPEATED QUESTIONS WITH ANSWERS

Both Hindi and English medium

Most Important for December 2024 Exam

Part -2

Discuss the process of rise of Islam. How did it affect the Arab society?

Process of the Rise of Islam

Emergence of Prophet Muhammad (570-632 CE)

Prophet Muhammad was born in Mecca and began receiving divine revelations around 610 CE. These revelations, compiled in the Quran, formed the foundation of Islam.

He preached monotheism, social justice, and equality, challenging the polytheistic and tribal systems of Arabia.

Muhammad's teachings initially faced opposition from Meccan elites but gained followers among the oppressed classes.

पैगंबर मोहम्मद का जन्म मक्का में हुआ और उन्होंने लगभग 610 ईस्वी में ईश्वरीय संदेश प्राप्त करना शुरू किया। ये संदेश क़ुरआन में संकलित किए गए, जो इस्लाम का आधार बने।

उन्होंने एकेश्वरवाद, सामाजिक न्याय और समानता का प्रचार किया, जो अरब के बहुईश्वरवादी और जनजातीय प्रणालियों को चुनौती देता था।

मोहम्मद के संदेशों का प्रारंभ में मक्का के प्रमुख लोगों ने विरोध किया, लेकिन यह दबे-कुचले वर्गों में लोकप्रिय हुआ।

Migration to Medina (622 CE)

Facing persecution in Mecca, Muhammad and his followers migrated to Medina in 622 CE, marking the beginning of the Islamic calendar (Hijra).

In Medina, Muhammad established a community governed by Islamic principles and united various tribes under Islam.

मक्का में उत्पीड़न का सामना करने पर मोहम्मद और उनके अनुयायी 622 ईस्वी में मदीना चले गए, जिससे इस्लामी कैलेंडर (हिजरा) की शुरुआत हुई।

Scholarly Minds

मदीना में, मोहम्मद ने इस्लामी सिद्धांतों पर आधारित एक समाज की स्थापना की और विभिन्न जनजातियों को इस्लाम के तहत एकजुट किया।

Expansion of Islam

Muhammad's leadership brought tribal unity, military strength, and growing influence. Mecca was peacefully captured in 630 CE, and Islam spread across Arabia.

By Muhammad's death in 632 CE, Islam had become the dominant faith of the Arabian Peninsula.

मोहम्मद के नेतृत्व ने जनजातीय एकता, सैन्य शक्ति और प्रभाव को बढ़ाया। 630 ईस्वी में मक्का पर शांतिपूर्ण कब्जा हुआ और इस्लाम पूरे अरब में फैल गया।

632 ईस्वी में मोहम्मद की मृत्यु तक इस्लाम अरब प्रायद्वीप का प्रमुख धर्म बन गया।

Impact on Arab Society

Religious Unity

Before Islam, Arabs practiced polytheism. Islam introduced monotheism, unifying tribes under one God (Allah).

The Kaaba in Mecca became a central site of worship.

इस्लाम से पहले अरब बहुईश्वरवाद का पालन करते थे। इस्लाम ने एकेश्वरवाद की शुरुआत की और जनजातियों को एक ईश्वर (अल्लाह) के अधीन एकजुट किया।

मक्का का काबा पूजा का प्रमुख स्थल बना।

Social Reforms

Islam abolished practices like female infanticide, established rights for women, and emphasized justice and equality.

Tribal and class distinctions were de-emphasized, promoting a sense of community (Ummah).

इस्लाम ने कन्या भ्रूण हत्या जैसी प्रथाओं को समाप्त किया, महिलाओं के अधिकार स्थापित किए, और न्याय व समानता पर बल दिया।

जनजातीय और वर्गीय भेदभाव को कम किया गया, जिससे समुदाय (उम्मा) की भावना को बढ़ावा मिला।

Political and Economic Stability

Islam provided a legal framework and governance system, replacing tribal conflicts with structured laws.

Scholarly Minds

Trade routes became safer as tribal rivalries declined, boosting the economy.

इस्लाम ने एक कानूनी ढांचा और शासन प्रणाली प्रदान की, जिसने जनजातीय संघर्षों को संगठित कानूनों से बदल दिया।

व्यापार मार्ग सुरक्षित हो गए क्योंकि जनजातीय प्रतिद्वंद्विता कम हुई, जिससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिला।

Cultural Development

Islam encouraged literacy and learning, as the Quran was central to the faith.

Arabic became the language of religion and scholarship, fostering cultural unity.

इस्लाम ने साक्षरता और शिक्षा को बढ़ावा दिया क्योंकि क़ुरआन धर्म का केंद्रीय भाग था।

अरबी भाषा धर्म और विद्वता की भाषा बन गई, जिससे सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा मिला।

Scholarly Minds

Discuss main merchant communities of India in medieval period and the products they dealt in for trading.

Main Merchant Communities of India in the Medieval Period and Their Trade

Banjaras

The Banjaras were a prominent merchant community specializing in the transportation of goods using pack animals.

They traded in grains, salt, textiles, and other essential commodities, often serving as the link between rural and urban markets.

बनजारे एक प्रमुख व्यापारी समुदाय थे, जो माल को पैक जानवरों के माध्यम से ले जाने में विशेषज्ञ थे।

वे अनाज, नमक, वस्त्र और अन्य आवश्यक वस्तुओं का व्यापार करते थे और ग्रामीण तथा शहरी बाजारों के बीच कड़ी का काम करते थे।

Marwaris

Originating from Rajasthan, the Marwaris became influential in long-distance trade.

They dealt in textiles, spices, precious stones, and metals, and were known for their financial acumen, often functioning as moneylenders and financiers.

राजस्थान से उत्पन्न हुए मारवाड़ी दूरगामी व्यापार में प्रभावशाली बने।

वे वस्त्र, मसाले, कीमती पत्थर और धातुओं का व्यापार करते थे और अपनी वित्तीय समझ के लिए प्रसिद्ध थे, जो अक्सर साहूकार और वित्तदाता के रूप में कार्य करते थे।

Chettis (Chettiars)

The Chettis, based in Tamil Nadu, were prominent maritime traders in the southern regions.

They traded in spices, rice, and textiles, often engaging in overseas commerce with Southeast Asia and the Arabian Peninsula.

तमिलनाडु के चेट्टी दक्षिणी क्षेत्रों में प्रमुख समुद्री व्यापारी थे।

वे मसाले, चावल और वस्त्रों का व्यापार करते थे और अक्सर दक्षिण-पूर्व एशिया और अरब प्रायद्वीप के साथ समुद्र पार व्यापार में संलग्न रहते थे।

Bohras

A Shia Muslim merchant community, the Bohras were involved in both local and international trade.

They primarily traded in textiles, spices, and medicinal herbs, with strong networks in the Arabian Sea trade routes.

बोहरा, एक शिया मुस्लिम व्यापारी समुदाय, स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में शामिल थे।

वे मुख्य रूप से वस्त्र, मसाले और औषधीय जड़ी-बूटियों का व्यापार करते थे, और अरब सागर व्यापार मार्गों में उनकी मजबूत पकड़ थी।

Gujarati Merchants

Gujarati traders were dominant in coastal trade and had a strong presence in the Indian Ocean trade network.

They traded in cotton, indigo, spices, pearls, and precious stones, linking India with East Africa, the Middle East, and Southeast Asia.

गुजराती व्यापारी तटीय व्यापार में प्रमुख थे और हिंद महासागर व्यापार नेटवर्क में उनकी मजबूत उपस्थिति थी।

वे कपास, नील, मसाले, मोती और कीमती पत्थरों का व्यापार करते थे और भारत को पूर्वी अफ्रीका, मध्य पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ते थे।

Khatris

The Khatris of Punjab were significant in the overland trade routes, particularly along the Silk Road.

They traded in silk, wool, and spices, and were often engaged in the caravan trade connecting India to Central Asia.

पंजाब के खत्री जमीनी व्यापार मार्गों में, विशेष रूप से सिल्क रोड पर, महत्वपूर्ण थे।

Scholarly Minds

वे रेशम, ऊन और मसालों का व्यापार करते थे और अक्सर भारत को मध्य एशिया से जोड़ने वाले कारवां व्यापार में शामिल होते थे।

Armenians

Armenians played a key role in medieval Indian trade, acting as intermediaries in international commerce.

They dealt in gems, silk, spices, and luxury goods, maintaining connections with Persia, Europe, and the Far East.

आर्मेनियाई मध्यकालीन भारतीय व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में मध्यस्थ के रूप में कार्य करते थे।

वे रत्न, रेशम, मसाले और विलासिता की वस्तुओं का व्यापार करते थे और फारस, यूरोप तथा सुदूर पूर्व से जुड़े रहते थे।

Jewish Traders

Settled in coastal regions like Kerala, Jewish merchants participated in spice trade and maritime commerce.

They primarily traded in pepper, cardamom, and other spices, exporting them to the Middle East and Europe.

केरल जैसे तटीय क्षेत्रों में बसे यहूदी व्यापारी मसाला व्यापार और समुद्री वाणिज्य में शामिल थे।

वे मुख्य रूप से काली मिर्च, इलायची और अन्य मसालों का व्यापार करते थे और उन्हें मध्य पूर्व और यूरोप में निर्यात करते थे।

These merchant communities not only facilitated trade but also contributed to the cultural and economic exchanges in medieval India.

इन व्यापारी समुदायों ने न केवल व्यापार को सुगम बनाया बल्कि मध्यकालीन भारत में सांस्कृतिक और आर्थिक आदान-प्रदान में भी योगदान दिया।

Scholarly Minds